



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रकाशन

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

४० २०६} नई विल्सो, मंगलवार, जून २, १९७०/ज्येष्ठ १२, १८९२

No. 206, NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 2, 1970/JYAIKTHA १२, १८९२

इस भाग में विशेष पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे इक पृष्ठ घलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND
COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 2nd June 1970

S.O. 2062/15/IDRA/70.—Whereas the Central Government is of the opinion that there has been, or is likely to be substantial fall in the volume of production in respect of cotton textiles manufactured in the industrial undertaking known as Seksaria Cotton Mills Ltd., Bombay (Maharashtra), for which, having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of—

Chairman

1. Shri S. R. Damani, M.P., 13, Jan Path, New Delhi.

Members

2. Shri M. G. Mirchandani, Director (Technical), National Textile Corporation, New Delhi.
3. Shri V. V. S. Sastry, Jt. Director (Finance), National Textile Corporation, New Delhi.
4. Shri S. D. Mehta, Authorised Controller, India United Mills, Bombay.
5. Shri S. C. Bafna, Registrar of Companies, Maharashtra, 100, Marine Drive, Bombay, and

6. Shri R. K. Rakshit, Director, Office of the Textile Commissioner, Bombay.
—Member-Secretary.

[No. F. 9(10)Lic.Pol./70.]

R. C. SETHI, Under Secy.

ग्रीष्मोगिक विभाग, भारतीय व्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रालय

(ग्रीष्मोगिक विभास विभाग)

प्रावेश

नई दिल्ली, 2 जून 1970

का० घा० 2062/15/भा०ई० डी० आर० ए०/70.—यह केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि सेक्सेरिया काटन मिल्स लिमिटेड बम्बई (महाराष्ट्र) नामक ग्रीष्मोगिक उपकरण में तिर्मित सूती वस्त्रों के सम्बन्ध में उत्पादन के परिमाण में भारी गिरावट हुई है अर्थात् होने की सम्भावना है, जिसके लिये विश्वास आर्थिक स्थितियों को देखते हुए, कोई अनिच्छ्य नहीं है ;

अतः अब उद्योग (विभास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 का (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार मामले की परिस्थितियों की समग्र तथा पूर्ण जांच करने के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित व्यक्तियों के एक निकाय की एतद्वारा नियुक्त करता है :

प्रध्यक्ष

1. श्री एस० आर० दामानी, संसद सदस्य,
13, जनपथ, नई दिल्ली ।

सदस्य

2. श्री एम० जी० मीरचंदानो, निवेशक (तकनीकी),
राष्ट्रीय वस्त्र निगम, नई दिल्ली ।
3. श्री बी०बी० एस० शास्त्री,
संयुक्त निदेशक, (वित्त),
राष्ट्रीय वस्त्र निगम, नई दिल्ली ।
4. श्री एस० डी० मेहता, प्राधिकृत नियंत्रक,
इन्डिया यूनाइटेड मिल्स, बम्बई ।
5. श्री एस० सी० आफना, समवाय पंजीयक, महाराष्ट्र, 100, मैरिन ड्राइव, बम्बई और
6. श्री आर० के० रक्षित, निवेशक, वस्त्र आयुक्त बम्बई का कार्यालय—सदस्य सचिव ।

[सं० फा० 9 (10) लाइ० पो० लि०/70]

आर० सी० सेठी, अवर सचिव ।